

तीर्थहल्ली सुपारी

स्रोत: द द्रिष्टि

कर्नाटक के तीर्थहल्ली क्षेत्र को लंबे समय से तीर्थहल्ली सुपारी के असाधारण उत्पादन के लिये जाना जाता है, जैसा क कर्नाटक के शविमोग्गा के केलाडी शविपपा नायक कृषि और बागवानी वजिज्ञान विश्वविद्यालय के एरेका अनुसंधान केंद्र द्वारा किये गए एक हालिया विश्लेषण से पुष्टि हुई है।

- उच्च श्रेणी के नट्स के उत्पादन में इसकी उपयुक्तता के कारण तीर्थहल्ली सुपारी की अत्यधिक मांग है, इसका उत्पादन परतषिठति नुली और हासा ग्रेड की कृषि करने में सक्षम है।
- अरेका नट पाम नामक यह कसिम पान के साथ प्रयुक्त होने वाली लोकप्रिय सुपारी का स्रोत है जिससे सुपारी या बीटल नट के नाम से जाना जाता है। भारत सुपारी का सबसे बड़ा उत्पादक एवं उपभोक्ता है। इसकी कृषि प्रमुख रूप से कर्नाटक, केरल, असम, तमलिनाडु, मेघालय और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में होती है।
 - सुपारी के दानों को उबाला जाता है और इसकी भूसी निकालकर सुपारी के सत (Areca Precipitates) को इसमें मलिया जाता है। इसके बाद नट्स को सुखाया जाता है और उनके बाज़ार मूल्य के आधार पर नुली, हासा, राशी, बेट्टे और गोरबलु के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
 - नुली और हासा नट्स की कीमत राशी, बेट्टे और गोरबलु से अधिक होती है
- इससे पहले कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ ज़िले में उत्पादित होने वाली 'सरिसी सुपारी' को भौगोलिक संकेतक (GI) टैग मल्लि चुका है।

और पढ़ें: ['सरिसी सुपारी'](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/tirthahalli-areca-nut-variety>